

उपयुक्त या अपने लायक प्रयो. विवाह हेतु स्वानुरूप महिला चुनो।

स्वान्न पुं. (तत्.) अपना अन्न या अनाज।

स्वाप पुं. (तत्.) 1. निद्रा, नींद उदा. स्वप्न, स्वाप, जागरण भस्म हो। इच्छा क्रिया ज्ञान मिल रहे थे, जयशंकर प्रसाद 2. स्वप्न, सपना 3. तंद्रा, ऊँघ।

स्वापक वि. (तत्.) नींद लाने वाला, निद्राकारक पुं. ऐसी वस्तु जिसे खाने-पीने आदि से नींद लगती है और पीड़ा का अनुभव नहीं हो पाता। यह एक ऐसी औषधि है जो अस्वाभाविक निद्रा या अचेतनता की अवस्था उत्पन्न करती है।

स्वापकता स्त्री. (तत्.) नशीली औषधि के द्वारा उत्पन्न अस्वाभाविक निद्रा या अचेतनता की अवस्था।

स्वापद पुं. (तत्.) दे. श्वापद वि. दे. स्वापक।

स्वापक द्रव्य अध्ययन पुं. (तत्.) मानव शरीर और समाज पर मादक द्रव्यों के गुणों और उनके प्रभाव का अध्ययन।

स्वापन पुं. (तत्.) प्राचीनकाल का एक अस्त्र विशेष टि. ऐसा माना जाता है कि यह अस्त्र शत्रुओं को सुलाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है वि. सुलाने या नींद लाने वाला।

स्वापराध पुं. (तत्.) 1. अपने द्वारा किया गया अपराध 2. अपने प्रति किया गया अपराध।

स्वापिका वि. (तत्.) 1. नींद लाने वाली, निद्राकारक 2. बच्चों को सुलाने के लिए गाई जाने वाली लोरी।

स्वापी वि. (तत्.) दे. स्वापक।

स्वाप्तिक वि. (तत्.) 1. स्वप्न में होने या उससे संबंध रखने वाला 2. स्वप्न के फलस्वरूप होने वाला।

स्वाप्न वि. (तत्.) स्वप्न संबंधी, स्वप्न का।

स्वाब पुं. (अं.) कपड़े या सन की बुहारी या झाड़ू जिससे जहाज के डेक आदि साफ किए जाते हैं।

स्वाभाव पुं. (तत्.) स्व का अभाव।

स्वाभाविक वि. (तत्.) 1. जो स्वभाव से उत्पन्न हुआ हो, जो आप ही हुआ हो, प्राकृतिक, कुदरती पर्या. नैसर्गिक, अकृत्रिम।

स्वाभाविक रोग वि. (तत्.) भूख, प्यास, वृद्धावस्था, मृत्यु आदि प्राकृतिक रोग टि. आयुर्वेद के अनुसार रोग के चार प्रकार हैं- स्वाभाविक रोग, आगंतुक रोग, काफिक रोग और मानस रोग।

स्वाभाविक वर्णन पुं. (तत्.) 1. यथार्थ वर्णन 2. स्वभाव संबंधी वर्णन।

स्वाभाविकी वि. (तत्.) दे. स्वाभाविक।

स्वाभाविकेतर वि. (तत्.) 1. जो स्वाभाविक न हो, अस्वाभाविक या कृत्रिम 2. अप्राकृतिक।

स्वाभिमान पुं. (तत्.) 1. अपनी जाति, राष्ट्र, धर्म आदि का सदभिमान, अपनी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का अभिमान भी स्वाभिमान ही है। आत्म गौरव।

स्वाभिमानी वि. (तत्.) जिसमें स्वाभिमान हो, स्वाभिमानवाला या आत्म गौरव युक्त।

स्वामि पुं. (तत्.) अपने से बड़ों को, ईश्वर को अथवा सम्मान हेतु दिया जाने वाला संबोधन जैसे- 'हे स्वामि', व्याकरण के अनुसार 'स्वामी' का समासयुक्त पदों में नियमानुसार 'स्वामि' रूप हो जाता है जैसे- 'स्वामिभक्त'।

स्वामिकता स्त्री. (तत्.) स्वामित्व।

स्वामि कार्तिक पुं. (तत्.) 1. कार्तिकेय, स्कंद 2. संगीत शास्त्र के अनुसार छह आघात और दस मात्राओं का ताल।

स्वामित्व पुं. (तत्.) 1. स्वामि होने की अवस्था गुण या भाव, स्वामिपन, मालिकी 2. प्रभुता या प्रभुत्व 3. अधिकार 4. संपत्ति का स्वत्व अधिकार 5. शासन 6. आधिपत्य।

स्वामित्व चिह्न पुं. (तत्.) वह चिह्न जो यह सूचित करता हो कि अमुक वस्तु अमुक आदमी की है। property mark

स्वामिन स्त्री. (तत्.) दे. स्वामिनी।

स्वामिनी स्त्री. (तत्.) 1. वह स्त्री जिसे किसी वस्तु पर सब प्रकार के और पूरे अधिकार प्राप्त हों 2. स्वत्व की अधिकारिणी, मालकिन 3. घर